there has been loss or gain cannot be stated with any certainty.

Co-operative Societies in Manipur

1185. **Shri L. Achaw Singh:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 1080 on the 28th August, 1958 and state:

(a) how much the Central Government has contributed as share capital of the Apex Co-operative Societies in Manipur during 1957 and 1958; and

(b) the amount contributed to the Apex Handloom Co-operative Society in Manipur?

The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain): (a) Rs. 1.03 lakhs during 1957-58.

(b) The All India Handloom Board sanctioned a sum of Rs. one lakh as loan for the working capital of the Co-operative Societies and a sum of Rs. 22,810 as working capital for marketing of handloom cloth.

Welfare Board for P. & T. Employees

1186. **Ch. Ranbir Singh:** Will the Minister of Transport and Communications be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 408 on the 16th August, 1958 and state:

(a) the amount placed at the disposal of the Welfare Board for P. & T. employees; and

(b) the number of schemes sponsored and approved by the Board so far since its inception?

The Minister of Transport and Communications (Shri S. K. Patil): (a) The Board is advisory in character and no funds are placed at its disposal.

(b) The Board has recommended six schemes, out of which Government has already approved one and the others are under consideration.

Training Course in Medicine and Surgery

1187. **Shri Hem Raj:** Will the Minister of Health be pleased to state the names of Medical Colleges in India where facilities exist for the condensed M.B., B.S. Course?

The Minister of Health (Shri Karmarkar): Facilities exist for the condensed M.B., B.S. Course in the following medical colleges:

(1) S.M.S. Medical College, Jaipur.
(2) M.G.M. Medical College, Indore.
(3) G.R. Medical College, Gwalior.
(4) Assam Medical College, Dibrugarh.
(5) Medical College, Nagpur.
(6) Medical College, Trivandrum.
(7) Kasturba Medical College, Manipal.

फलों का उत्पादन

११८८. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत पांच वर्षों में देश में फलों के उत्पादन में क्या प्रगति हुई है ;

(ख) क्या सरकार फलों के अधिकाधिक उपयोग के लिये भी प्रयत्नशील है ;

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की जा रही है ;

(घ) क्या गत पांच वर्षों में मांसाहारियों की संख्या बढ़ रही है अथवा शाकाहारियों की ; और

(ङ) भारत का प्रत्येक राज्य का फल उद्योग से कितना वार्षिक लाभ उठाता है ?

खाद्य तथा कृषि मन्त्री (श्री अ० प्र० जैन) : (क) सन् १९५५ में फल का कुल उत्पादन लगभग १९०० लाख मन हुआ था । बाद के वर्षों में इस के उत्पादन की

बढ़ोतरी के सम्बन्ध में कोई ठीक जानकारी उपलब्ध नहीं है । तथापि दूसरी पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत देश में फल उत्पादन के विकास के लिये एक योजना स्वीकार की गई है । इस योजना के अन्तर्गत अभी तक ५४,०५० एकड़ भूमि में नये फलों के बाग लगा दिये गये हैं और मौजूदा फल के बागों के ३२,३५० एकड़ भूमि को अभी तक पुनरुज्जीवित कर दिया गया है । ये नये स्थापित किये गये फल के बाग पौधे लगाने के ४ व ५ साल बाद फल देने लगेंगे । जो फल के पुनरुज्जीवित किये गये बाग है (सन् १९५६-५७ में ७,९०० एकड़ सन् १९५७-५८ में १८,७१४ एकड़ और सितम्बर १९५८-५९ तक ५,७३६ एकड़) उन से आशा की जाती है कि वे कम से कम १० प्रतिशत का अधिक उत्पादन दे सकते हैं । इस आधार पर उत्पादन में वर्षों के अनुसार निम्न बढ़ोतरी हो सकती है :—

	मन
१९५६ . .	४०,०००
१९५७ . .	१,३५,०००
१९५८ . .	१,६४,०००

(ख) जी हां ।

(ग) फलों को पूरक खाद्य के रूप में इस्तेमाल करने के लिये स्वस्थ्य प्रकाशन कार्यक्रम के द्वारा प्रचार किया जाता है ।

(घ) इस विषय पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है ।

(ङ) जानकारी उपलब्ध नही है ।

डाक-घर

११८९. श्रीमती कृष्णा मेहता : क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तहसील किश्तवाड, जिला डोडा (जम्मू और काश्मीर) में कितने डाक-घर तथा तार-घर काम कर रहे हैं ;

(ख) क्या सरकार को विदित है कि किश्तवाड में डाक पहुंचने में बहुत देर लग जाती है और वहां के डाक-घरों में मनी-आर्डर, प्रपत्र और अन्य डाक-सामग्री प्राप्त करने में बहुत कठिनाई होती है ; और

(ग) यदि हां, तो इन कठिनाइयों को दूर करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

परिवहन तथा संचार मंत्री (श्री स० का० पाटिल) : (क) १ नवम्बर, १९५८ को काम कर रहे—

डाक-घर . .	९
तार-घर . .	२

(ख) और (ग). जी नहीं ; किश्तवाड में उपलब्ध होने वाली संचार-संबंधी सुविधाओं का विचार करते हुए डाक के वहां पहुंचने का पार-गमन (transit) समय सामान्य सा है ।

मनी-आर्डर फ़ार्मों तथा डाक-सामग्री की कमी के विषय में मुझे यह निवेदन करना कि किश्तवाड में २५०० मनी-आर्डर फ़ार्म १८ जून, १९५८ को उपलब्ध कराये गये थे । वहां के डाक-घरों में इन फ़ार्मों को पर्याप्त मात्रा में दिये जाने का प्रबन्ध किया गया है । अन्य प्रकार की डाक-सामग्री का संभरण (supply) सन्तोषजनक है ।

खाद्यान्न का यातायात

११९०. श्री भ० दी० मिश्र : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५७-५८ में अब तक उत्तर प्रदेश के जिला बहराइच से खाद्यान्न के यातायात के लिये कितने बन्द और खुले माल डिब्बे दिये गये और प्रत्येक प्रकार के डिब्बों में कितना खाद्यान्न भेजा गया ;

(ख) ईंधन के यातायात के लिये कितने बन्द और खुले माल डिब्बे दिये गये ;